**पाठ की योजना बनाना: प्राथमिक भाषा और साक्षरता**

| हिन्दी |
| --- |
| कमेंट्री:<br><br>इस प्राथमिक भाषा की कक्षा में, शिक्षक बहुत छोटे विद्यार्थियों को एक कहानी सुनाने की योजना बना रहे हैं। उनका मकसद कक्षा में संवाद पैदा करने का है, ताकि विद्यार्थी अपने विचार व्यक्त कर सकें।<br><br>शिक्षक साक्षात्कार:<br><br>मेरा Class I का है ये, तो इसलिए बच्चे भी छोटे हैं। इस वजह से, मैं पहले उनको एक कहानी सुनाना चाहूँगा, और उस कहानी के ज़रिये, बच्चों से कुछ सवाल पूछेंगे।<br><br>एक chart मेरे पास है। Chart पे उस कहानी को, मोटे तौर पर कहानी के जो हिस्से हैं, इसपे draw करेंगे। और मेरे पास, एक chart और है, जो कि बढ़िया-सा बना हुआ है। उसको मैं blackboard पे लगाके - बढ़िया-सा, ताकि बच्चों को दूर से बड़ा-बड़ा दिख सके, और - उस कहानी को पिक्चरों के माध्यम से, उस चित्रों के माध्यम से बच्चे समझ सकें, और मेरे सवालों का जवाब दे सकें।<br><br>फिर मैं question जो पूछूँगा, उन questions को मैं, उन सवालों को, प्रश्नों को, मैं अपनी जो पाठ योजना की जो मेरी register है, उसी पे मैं पहले उन questions को नोट कर लूँगा, ताकि मुझे आसानी रहे, उन सवालों को बच्चों से पूछने में, और उनका जो sequence है, वो बना भी रह सके।<br><br>कमेंट्री:<br><br>पाठ की योजना के दौरान शिक्षक कहानी सुनाने का पूर्वाभ्यास करते हैं, ताकि वह कहानी को विद्यार्थियों के लिए और दिलचस्प बनाने का अपना कौशल बढ़ा सकें।<br><br>शिक्षक साक्षात्कार:<br><br>कुछ चीज़ें जो बच्चो को बताना चाहिये, मगर वो किसी वजह से छूट जाती हैं, तो पहले planning करने में ये है, कि उन बातों का class में हम अच्छे से ख़याल रख पाते हैं, अगर मेरे पास पहले से |

plan होता है। ये मदद मिलती है मुझे।

**शिक्षक:** अच्छा बेटा, आज हम लोग, तुम लोगों को एक कहानी सुनाएँगे। एक हमने ये chart लगा रखा है। इसमें देखो, कुछ चीज़ें बनी हुई हैं।

**शिक्षक:** गर्मी के मौसम में, एक कौवा बहुत थका हारा, बेचारा, इधर-उधर कांव-कांव कांव-कांव कर रहा था; क्योंकि वह... प्यासा था।

कमेंट्री:

कहानी पूरी करने के बाद, शिक्षक विद्यार्थियों से यह कल्पना करने के लिए कहते हैं, कि कहानी का अंत कैसे अलग हो सकता है। यह उन्हें कल्पनाशील बनने एवं भाषा का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करता है।

**शिक्षक:** तो उसको पानी मिल गया। आजकल का अगर कौवा होता, या हम लोगों में से - जैसे कोई एक कौवा होता तो क्या करता? कहाँ पानी पीने जाता? कहाँ जाता बेटा?

**विद्यार्थी १:** नल पर।

**शिक्षक:** हाँ, है न? वंदना ने बताया - कहाँ जाता?

**विद्यार्थी:** नल पर।

**शिक्षक:** नल पर पानी पीने जाता। अच्छा, नल पर पानी पीते हुए - कितने लोगों ने - कौवे को देखा है?

**विद्यार्थी:** हमने देखा है सर।

**शिक्षक:** बहुत अच्छे! Very good! बहुत अच्छे! शाबाश! ठीक है।

**विद्यार्थी १:** टोंटी नहीं खोल पाता तो कैसे पानी पिएगा?

**शिक्षक:** हाँ, ये भी बात सही है! टोंटी अगर नहीं खोल पाएगा, तो पानी कैसे पिएगा?

इधर, अब्दुल्लाह! बोलो बेटा।

**विद्यार्थी २:** अगर कौवा पानी नहीं पिएगा, या न... कोई चीज़ खायेगा, तो मर जाएगा।

**शिक्षक:** हाँ, अगर कोई चीज़ खायेगा नहीं, पानी भी नहीं मिलेगा तो?

**विद्यार्थी २:** मर जाएगा।

**शिक्षक:** मर जाएगा। ठीक। आरिफ बोलेंगे।

**विद्यार्थी ३:** अगर मछली को पानी न मिले, तो मछली सूख के मर जाएगी।

**शिक्षक:** हाँ, मछली सूख के?

**विद्यार्थी ३:** मर जाएगी।

**शिक्षक:** मर जाएगी, अगर पानी उसको नहीं मिलेगा, तो वह?

**विद्यार्थी ३:** मर जाएगी।

**विद्यार्थी ४:** अगर कौवा उड़ के नहीं पात है, तो उ... चल के चल के... उस को बिल्ली नहीं खा लेगी? उड़ नहीं पाते हैं...

**शिक्षक:** अच्छा, अगर उड़ नहीं पायेगा तो उसको?

**विद्यार्थी ४:** उसको जो न है...

**शिक्षक:** बिल्ली खा लेगी।

**विद्यार्थी ४:** हाँ।

**शिक्षक:** हमने बताया था कि आजकल अगर कौवा प्यासा होगा, तो वह कहाँ जायेगा पानी पीने? कहाँ जायेगा?

**विद्यार्थी:** नल पर। नल पर।

**शिक्षक:** कहाँ जाएगा?

**विद्यार्थी:** नल पर।

**शिक्षक:** नल पर जायेगा। और उसकी टोंटी पर, टोंटी पर उसके - बैठेगा जाके। और फिर क्या करेगा?

कमेंट्री:

ध्यान दीजिए कि सवालों के दौरान, शिक्षक कैसे विद्यार्थियों को सुनते हैं, और उनकी सोच को विकसित करने के लिए, उन के जवाबों से कैसे बात आगे बढ़ाते हैं।

शिक्षक साक्षात्कार:

जो मैं चाहता था, बच्चों का बोलना और मेरे साथ जुड़ना, वो हो सका। Planning से फायदा बिलकुल है क्योंकि plan नहीं होता तो शायद, subject से कहीं अलग हट जाते, या भटक जाते! आगे जो मुझे पढ़ाना होगा, उसको जोड़ते हुए, इसीसे संबंधित करते हुए कुछ activities, जो हैं वो भी मैं - खुद के ज़रिये, और कुछ बच्चों के ज़रिये भी - करवा के आगे के पाठ पढ़ाना चाहूँगा।

कमेंट्री:

योजना के लिए सवाल महत्वपूर्ण हैं, परन्तु इन शिक्षक की तरह, विद्यार्थियों के विचारों पर प्रतिक्रिया देने के लिए, योजना को लचीली रखने की भी जरुरत है। अपनी कक्षा में इसका प्रयास कीजिए।